मुख्यमंत्री ने राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में दिए निर्देश

यूपी में एक्सप्रेसवे किनारे खुलेंगे अस्पताल : योगी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी के सभी एक्सप्रेस वे के दोनों तरफ फूड प्लाजा की तरह अस्पताल खोलने का निर्देश दिया है, ताकि सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को त्वरित इलाज मिल सके। राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में रविवार को मुख्यमंत्री योगी ने मंडल मुख्यालयों के अस्पतालों में ट्रामा सेंटर, एंबुलेंस एवं प्रशिक्षित स्टाफ की तैनाती के निर्देश दिए।

सड़क हादसों के वार्षिक आंकड़ों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में 46052 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इसमें 34600 लोग घायल हुए हैं, जबकि 24 हजार से अधिक मौतें हुई हैं, जो अत्यंत दुखद है। इसे हर हाल में न्यूनतम करना होगा। सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी विभाग समन्वय से हादसे नियंत्रित करें। सभी मार्गों पर दुर्घटना बहुल क्षेत्र (ब्लैक स्पॉट) चिन्हित कर ठीक कराएं। योगी ने कहा कि 2024 में हुई दुर्घटनाओं में सर्वाधिक 20 जिलों-लखनऊ, हरदोई, मथुरा, आगरा, बुलंदशहर, कानपुर, प्रयागराज, सीतापुर, उन्नाव, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, बरेली, अलीगढ़, गौतमबुद्धनगर, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कुशीनगर, बदायूं, मेरठ, बिजनौर में जनहानि हुई है। कुल मृत्यु में 42% इनसे हैं। उन्होंने जागरूक करने के निर्देश दिए।

बैठक न करने पर नाराजगी P02

सभी मार्गों पर ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर दुरुस्त करें

बेसिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग स्कूलों, कॉलेजों में सड़क सुरक्षा संबंधित गतिविधियां आयोजित कर जागरूकता फैलाएं। बेसिक, माध्यमिक शिक्षा के विद्यालयों के पाठ्यक्रम में ट्रैफिक के नियमों को जोड़ा जाए।

- योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

एक्सप्रेसवे-हाईवे किनारे न हों शराब की दुकानें

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेस-वे, हाईवे किनारे शराब दुकानें बिल्कुल न हों। अक्सर देखा गया है कि शराब दुकानों के साइनेज बड़े होते हैं, इन्हें छोटा किया जाए। बिना परमिट की बसें सड़कों न चलने पाएं। डम्गामार वाहनों, ओवरलोडेड ट्रकों पर प्रभावी कार्रवाई करें। दूसरे प्रदेश से आने वाले बिना परमिट वाहनों को सीमा पर रोकें। सुनिश्चित कराएं कि लंबी दूरी के वाहनों पर दो ड्राइवर हों।

एनएचएआई की सड़कों पर लगें कैमरे, ओवरब्रिज बनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक्सप्रेस-वे, हाईवे पर क्रेन, पेट्रोलिंग वाहन, एंबुलेंस की संख्या बढ़ाएं। प्रदेश में एनएचएआई की 93 सड़कें हैं, इनमें सिर्फ चार सड़कों पर कैमरे लगे हैं, बाकी सड़कों पर भी कैमरे लगाएं। सड़क पार करते समय भी बहुत सी दुर्घटनाएं हो जाती हैं, इसके चलते एनएचएआई की बहुत सी सड़कों पर फुटओवर ब्रिज की जरूरत है। ऐसे स्थान चिन्हित कर निर्माण कराएं। प्रदेश के सभी प्रमुख मार्गों पर सड़क सुरक्षा से संबंधित साइनेज अवश्य लगाएं।

93 सड़कें एनएचएआई की यूपी में हैं, जिनमें सिर्फ चार पर कैमरे लगे हैं

42 फीसदी हादसों में मौतें प्रदेश के मात्र बीस जिलों में हुईं

मुख्यमंत्री की दो टूक

- डम्गामार और ओवरलोड वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई की जाए
- कहीं भी नाबालिगों के हाथ में न हो ई-रिक्शा की कमान

जाम पर सिविल पुलिस होमगार्डों की भी मदद लें

सीएम ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में नाबालिग बच्चे ई-रिक्शा चला रहे हैं। इस पर प्रभावी अंकुश लगाएं। सभी ई-रिक्शा ड्राइवरों का वेरिफिकेशन कराएं। जाम बड़ी समस्या बन रहा है। सुचारू संचालन के लिए पर्याप्त मानव बल उपलब्ध है। आवश्यकता पर सिविल पुलिस, पीआरडी, होमगार्ड जवानों को ट्रेनिंग देकर ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर बनाएं।